हिन्दी में स्नातकोतर उपाधि

सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

एम एच डी–16 : भारतीय उपन्यास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. बांग्ला उपन्यासों के स्वर्णयुग पर प्रकाश डालिये। **12**

अथवा

'जंगल के दावेदार' उपन्यास की प्रासंगिकता पर विचार कीजिये।

2. 'संस्कार' में चित्रित समस्या केवल कन्नड़ समाज की नहीं बल्कि पूरे भारतीय समाज की समस्या है। –इस कथन की तर्कपूर्ण समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

नारणप्पा और प्राणेशाचार्य के चरित्रों का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

3. 'मानवीनी भवाई' उपन्यास में चित्रित ग्राम–जीवन की वास्तविकता का विश्लेषण कीजिए। 12

अथवा

'मानवीनी भवाई' की पात्र योजना पर विचार कीजिये।

4. निम्नलिखित में से ***किन्ही दो*** पर टिप्पणी लिखिए : 7x2=14

(क) 'चेम्मीन' में मिथक की सर्जनात्मकता

(ख) नायिका के रूप में करूतम्मा का चरित्र

(ग) भारतीय उपन्यास की भारतीयता

(घ) 'संस्कार' का देश और काल।

——— *** ———